वार्तालाप–334, कलकत्ता भाग–1, ता.10.6.07
Disc.CD No.334, Part-1, dt.10.06.07 at Calcutta

समय – 0.10 से 1. 46 तक
जिज्ञासू :– संगमयुग में व्यभिचारी और भ्रष्टाचारी स्टैम्प का अर्थ क्या है?
बाबा :– जिनका स्टैम्प बनाते हैं वो व्यभिचारी कर्म करके, व्यभिचारी दुनियां का रिजल्ट निकालते हैं या अव्यभिचारी दुनियां का रिजल्ट निकलता है? जो कर्म करते हैं उसका रिजल्ट निकलता है या नहीं? (किसी ने कुछ कहां) तो जो भी कर्म करेंगे उसका रिजल्ट जरूर आयेगा।

Time: 0.10 to 1.46
Someone asked: What is the meaning of licentious and unrighteous stamp in the Confluence Age?
Baba said: Do the persons, whose stamps are made, produce a result of a licentious world by performing licentious actions or does it result in a pure world? Whatever actions they perform, does that produce any result or not? (Someone said something) So, whatever actions they perform will certainly produce a result.

जिज्ञासू :– संगमयुग में वो स्टैम्प कौनसा है?
बाबा :– जो श्रेष्ठाचारी दुनियां बनाता है, जिसकी पूजा होती है, जिसके श्रेष्ठाचारी कर्म की भारत में मन्दिर2 में पूजा होती है, माथा टिकाते हैं, सर झुकाते हैं। (किसी ने कहां – वो तो श्रेष्ठाचारी स्टैम्प हुआ।) अरे! लोगों ने पहचाना नहीं ना, जब नहीं पहचानते हैं तो गालियां देते हैं और जब पहचानते हैं तो महिमा करते हैं।

Someone asked: Which is that stamp in the Confluence Age?
Baba said: The one who makes a righteous world, the one who is worshipped, whose righteous action is worshipped in every temple of India; people prostrate themselves, bow their heads before Him. (Someone said – That is the righteous stamp) Arey! People did not recognize (Him), did they? When they do not recognize him, they abuse him. And when they recognize (Him) they glorify Him.

समय 20.50
जिज्ञासू :– जब सूर्यग्रहण लगता है तब तो खाना भी भक्तिमार्ग में नहीं खाते हैं।
बाबा :– चन्द्रग्रहण में खाते हैं क्या?
जिज्ञासू :– दोनों में क्यों नहीं खाते हैं? हजम नहीं होता है या क्यों?
बाबा :– वो खाने की बात नहीं है। जब वो लास्ट पेपर होता है, फाइनल पेपर तो उस फाइनल पेपर के समय, जैसे दुनियां में जो फाइनल पेपर होता है उस समय खाना, पीना सारा भूल जाते हैं। ऐसे ही यहां भी जब फाइनल पेपर होगा तो जो भी पुरूषार्थी है वो खाना भी भूल जायेंगे। जो योग का भोजन है, जो याद का भोजन है वो उनको भूलेगा।

Time: 20.50
Someone said: In the path of worship people do not even eat food when solar eclipse (*sooryagrahan*) occurs.
Baba said: Do they eat when lunar eclipse (*chandragrahan*) occurs?
Someone said: Why don't people eat food during both (the phenomena)? Is it because the food does not get digested or why is it?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba said: It is not about that food. When that last paper (i.e. examination), the final paper takes place, then, at the time of that final paper…for example when a final paper occurs, at that time people forget to eat and drink. Similarly, here too, when the final paper takes place, all the effort-makers will forget even the meals. They will forget the food of yog, the food of remembrance.

समय 21. 45
जिज्ञासू :– शिवबाबा का रामनवमी से क्या सम्बन्ध है?
बाबा :– रामनवमी जो हैं वो राम का जन्मदिवस मनाया जाता है। राम बाप को कहा जाता है। वो बाप ज्ञान सूर्य है। रामनवमी रात को नहीं मनाई जाती, रात्रि के 12 बजे कृष्ण जयन्ती मनावेंगे, महाशिवरात्रि मनावेंगे; लेकिन रामनवमी दोपहर के 12 बजे मनाई जाती हैं। इसका मतलब सूर्य जब पूरे चढ़ाव पर पहुंच जाता है, दोपहर के 12 बजे, तब संसार में उसकी प्रत्यक्षता होती है। सूर्योदय होता है तो उसकी किरणे धीमी होती है, लोगों को उतना पता नहीं चलता। अर्जुन के सामने जब भगवान का तीक्ष्ण रूप प्रत्यक्ष होता है तब कहता है – बस, बस। बंद करो। अब मैं सहन नहीं कर सकता। तो ये ज्ञान की तीक्ष्णता जब अति की बढ़ जावेगी तो संसार में बाप प्रत्यक्ष हो जावेगा। इसलिए रामनवमी दोपहर के 12 बजे मनाई जाती हैं।

Time: 21.45
Someone asked: What is the relationship of Shivbaba with *Ramnavami* (birthday of Ram)?
Baba said: *Ramnavami* is celebrated as the birthday of Ram. The Father is called Ram. That Father is the Sun of knowledge. *Ramnavami* is not celebrated at night. Krishna's birthday, *MahaShivratri* is celebrated at 12o'clock in the night. But *Ramnavami* is celebrated at 12 Noon. It means that when the Sun is at its peak, at 12 Noon, then he is revealed in the world. When Sun rises (*sooryoday*), the sunrays are mild; people do not come to know to that extent. When the powerful (*teekshna*) form of God is revealed in front of Arjun, he says – "Enough, enough. Stop it. I cannot tolerate it anymore." So, when the intensity of this knowledge increases very much then the Father will be revealed to the world. That is why *Ramnavami* is celebrated at 12 Noon.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info